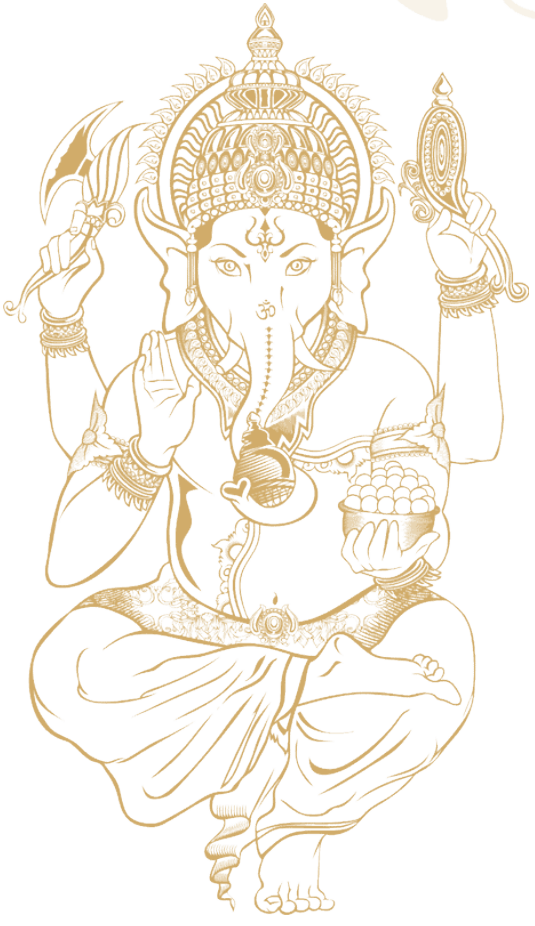

Samaira jain

12 Mar 2022

04:12 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119600603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/03/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:12:00 घंटे**
इष्ट	24:05:10 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:51:44 घंटे
वेलान्तर	-00:09:47 घंटे
साम्पातिक काल	03:11:59 घंटे
सूर्योदय	06:33:55 घंटे
सूर्यास्त	18:26:38 घंटे
दिनमान	11:52:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:40:12 कुम्भ
लग्न के अंश	29:10:50 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छवि
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:10:50	310:04:24	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कुंभ	27:40:12	00:59:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	19:20:25	11:56:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			मक	10:27:26	00:44:56	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	09:37:13	01:36:42	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	22:28:09	00:14:29	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			मक	11:23:41	00:55:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
शनि			मक	25:54:40	00:06:29	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	00:38:02	00:03:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	00:38:02	00:03:31	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			मेष	17:48:56	00:02:29	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	---
नेप			कुंभ	28:40:13	00:02:17	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	03:53:08	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मेष	26:16:15	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:48

लग्न-चलित

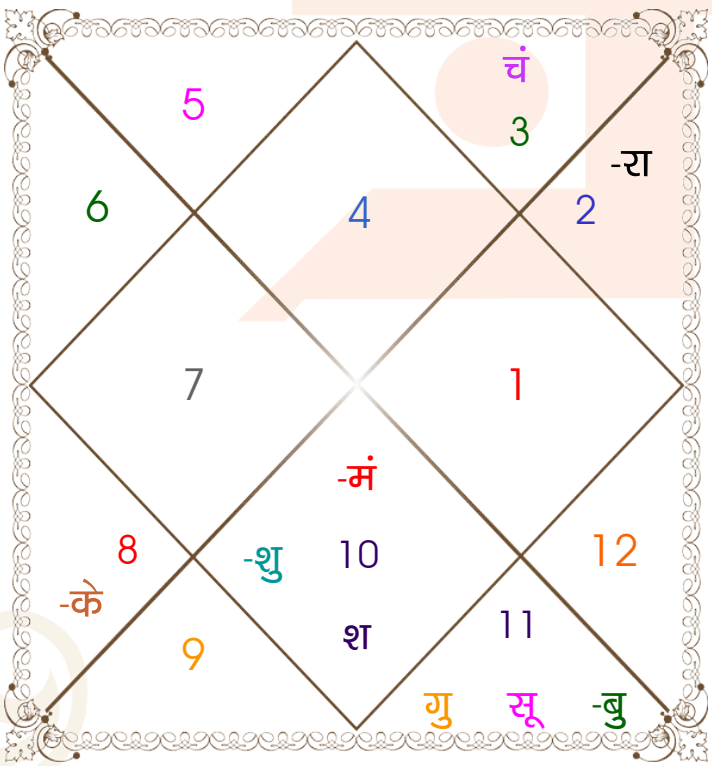

चन्द्र कुंडली

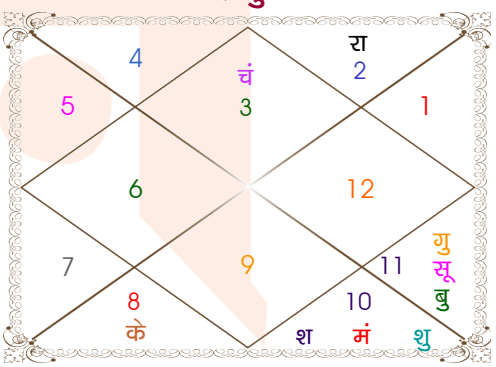

नवमांश कुंडली

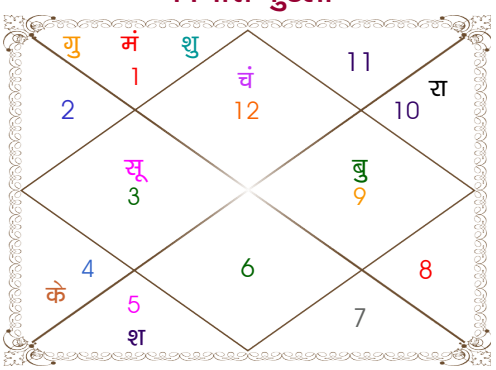

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 10 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/03/2022		01/02/2023		01/02/2039		31/01/2058		01/02/2075	
01/02/2023		01/02/2039		31/01/2058		01/02/2075		31/01/2082	
00/00/0000	गुरु	21/03/2025	शनि	03/02/2042	बुध	29/06/2060	केतु	30/06/2075
00/00/0000	शनि	02/10/2027	बुध	13/10/2044	केतु	26/06/2061	शुक्र	29/08/2076
00/00/0000	बुध	07/01/2030	केतु	22/11/2045	शुक्र	26/04/2064	सूर्य	04/01/2077
00/00/0000	केतु	14/12/2030	शुक्र	22/01/2049	सूर्य	02/03/2065	चंद्र	05/08/2077
00/00/0000	शुक्र	14/08/2033	सूर्य	04/01/2050	चंद्र	02/08/2066	मंगल	01/01/2078
00/00/0000	सूर्य	02/06/2034	चंद्र	05/08/2051	मंगल	30/07/2067	राहु	19/01/2079
00/00/0000	चंद्र	02/10/2035	मंगल	13/09/2052	राहु	16/02/2070	गुरु	26/12/2079
12/03/2022	मंगल	07/09/2036	राहु	21/07/2055	गुरु	23/05/2072	शनि	03/02/2081
मंगल 01/02/2023	राहु	01/02/2039	गुरु	31/01/2058	शनि	01/02/2075	बुध	31/01/2082

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/01/2082		01/02/2102		02/02/2108		01/02/2118		01/02/2125	
01/02/2102		02/02/2108		01/02/2118		01/02/2125		13/03/2142	
शुक्र	02/06/2085	सूर्य	22/05/2102	चंद्र	02/12/2108	मंगल	30/06/2118	राहु	15/10/2127
सूर्य	02/06/2086	चंद्र	20/11/2102	मंगल	03/07/2109	राहु	19/07/2119	गुरु	10/03/2130
चंद्र	01/02/2088	मंगल	28/03/2103	राहु	02/01/2111	गुरु	24/06/2120	शनि	14/01/2133
मंगल	02/04/2089	राहु	20/02/2104	गुरु	03/05/2112	शनि	03/08/2121	बुध	03/08/2135
राहु	02/04/2092	गुरु	08/12/2104	शनि	02/12/2113	बुध	31/07/2122	केतु	21/08/2136
गुरु	02/12/2094	शनि	20/11/2105	बुध	04/05/2115	केतु	27/12/2122	शुक्र	21/08/2139
शनि	31/01/2098	बुध	27/09/2106	केतु	03/12/2115	शुक्र	26/02/2124	सूर्य	15/07/2140
बुध	02/12/2100	केतु	02/02/2107	शुक्र	03/08/2117	सूर्य	03/07/2124	चंद्र	14/01/2142
केतु	01/02/2102	शुक्र	02/02/2108	सूर्य	01/02/2118	चंद्र	01/02/2125	मंगल	13/03/2142

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।